

आरती शरी गंगा मां जी की
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।
जो नर तुमको ध्याता, मनवांछति फल पाता ॥
ॐ जय गंगे माता ।
चंद्र सी ज्योति तुम्हारी, जल नरिमल आता ।
शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता ॥
ॐ जय गंगे माता ।
पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता ।
कृपा दृष्टिहो तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता ॥
ॐ जय गंगे माता ।
एक ही बार जो तेरी, शरण गता आता ।
यम की त्रास मटिाकर, परमगता पाता ॥
ॐ जय गंगे माता ।
आरतमातु तुम्हारी, जो नर नति गाता ।
दास वही सहज में, मुक्ता को पाता ॥
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।